Total No. of Printed Pages : 3 Roll No.....

MAHL-202

नाटक एवं कथेतर साहित्य

M.A. Hindi (MAHL.-12/16/17)

Second Year, Examination-2020

Time Allowed : 2 Hours Maximum Marks : 80

नोटः यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है। जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल कीजिए।

खण्ड-'क'

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड-'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×20=40)

1. नाटक के तत्वों के आधार पर 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की समीक्षा कीजिए।

2. हिंदी निबन्ध के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए इसके विकास क्रम पर प्रकाश डालिए।

3. आचार्य रामचन्द्रशुक्ल के निबंध 'करुणा' की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

4. 'पथ के साथी' संस्मरण की विशेषताओं का विस्तार से वर्णन कीजिए।

5. 'यात्रा-साहित्य' विधा के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट: खण्ड-'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×10=40)

1. 'आधे-अधूरे' नाटक की नाट्य भाषा पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

2. एकांकी में संकलन-त्रय के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

3. 'पृथ्वीराज की आँखे' एकांकी की संवाद दृष्टि से समीक्षा कीजिए।

4. 'संस्मरण' और 'रेखाचित्र' में अंतर स्पष्ट कीजिए।

5. यात्रावृत्त लेखन में राहुल सांस्कृत्यायन के योगदान पर टिप्पणी लिखिए।

6. 'निराला' जीवनी की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

7. 'आत्मकथा' विधा के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

8. निबन्ध के विकास में आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के योगदान पर टिप्पणी लिखिए।

******